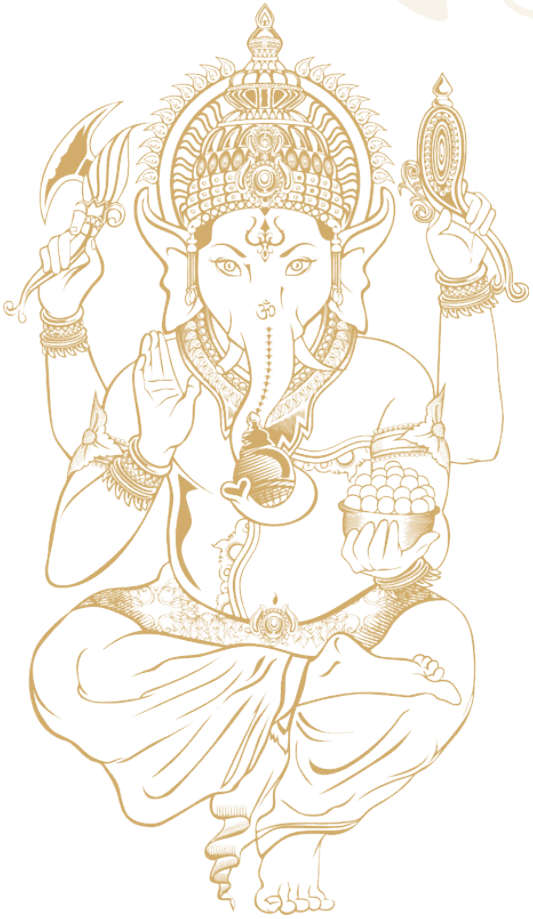

Mr.vihu

11 Jan 2024

05:00 PM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 119506702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/01/2024**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:00:00 घंटे**
इष्ट	24:31:59 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:07:38 घंटे
साम्पातिक काल	00:02:43 घंटे
सूर्योदय	07:11:12 घंटे
सूर्यास्त	17:42:52 घंटे
दिनमान	10:31:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:31:47 धनु
लग्न के अंश	18:06:18 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:06:18	316:56:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	26:31:47	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	26:16:18	14:40:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	10:55:41	00:44:57	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	03:07:28	00:56:50	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मेष	11:36:46	00:02:21	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	21:12:45	01:13:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	10:02:19	00:05:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	26:01:32	00:12:20	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:01:32	00:12:20	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	25:00:21	00:00:49	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	01:04:00	00:01:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:29:55	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मीन	06:32:59	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:29

लग्न-चलित

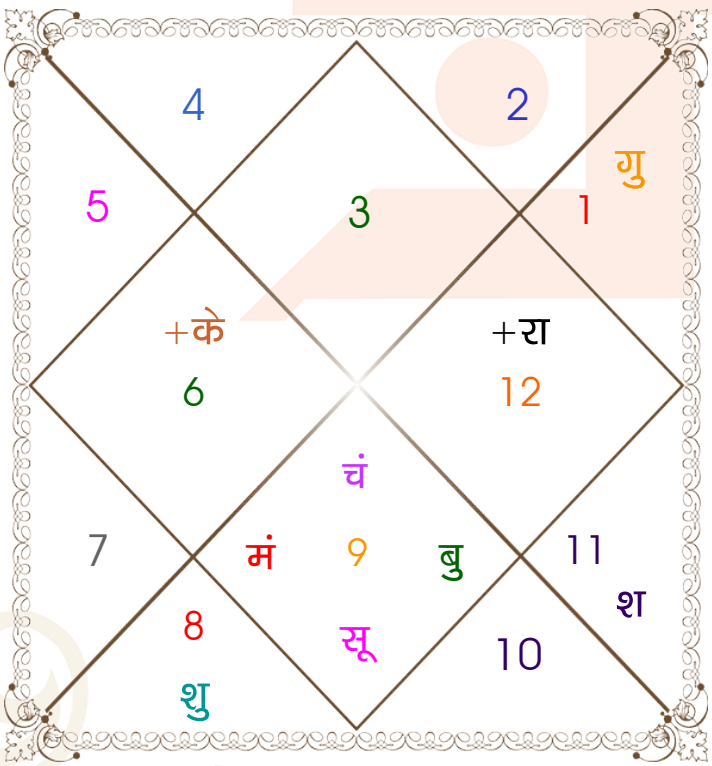

चन्द्र कुंडली

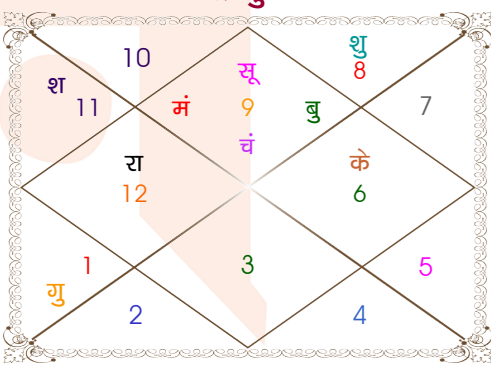

नवमांश कुंडली

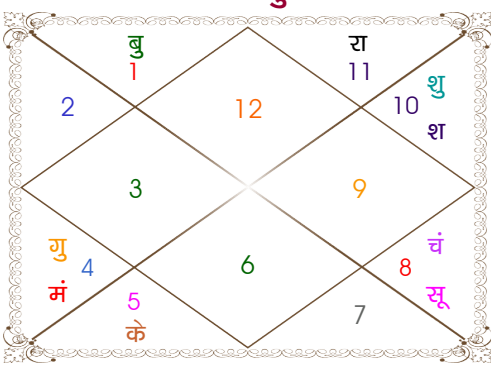

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 7 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/01/2024		15/08/2024		15/08/2030		15/08/2040		15/08/2047	
15/08/2024		15/08/2030		15/08/2040		15/08/2047		15/08/2065	
00/00/0000	सूर्य	02/12/2024	चंद्र	15/06/2031	मंगल	11/01/2041	राहु	28/04/2050	
00/00/0000	चंद्र	03/06/2025	मंगल	15/01/2032	राहु	29/01/2042	गुरु	20/09/2052	
00/00/0000	मंगल	09/10/2025	राहु	15/07/2033	गुरु	05/01/2043	शनि	28/07/2055	
00/00/0000	राहु	02/09/2026	गुरु	14/11/2034	शनि	14/02/2044	बुध	13/02/2058	
00/00/0000	गुरु	22/06/2027	शनि	15/06/2036	बुध	10/02/2045	केतु	04/03/2059	
00/00/0000	शनि	03/06/2028	बुध	14/11/2037	केतु	09/07/2045	शुक्र	04/03/2062	
00/00/0000	बुध	09/04/2029	केतु	15/06/2038	शुक्र	08/09/2046	सूर्य	26/01/2063	
11/01/2024	केतु	15/08/2029	शुक्र	14/02/2040	सूर्य	14/01/2047	चंद्र	27/07/2064	
केतु 15/08/2024	शुक्र	15/08/2030	सूर्य	15/08/2040	चंद्र	15/08/2047	मंगल	15/08/2065	

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/08/2065		15/08/2081		16/08/2100		16/08/2117		16/08/2124	
15/08/2081		16/08/2100		16/08/2117		16/08/2124		12/01/2144	
गुरु	03/10/2067	शनि	18/08/2084	बुध	12/01/2103	केतु	12/01/2118	शुक्र	16/12/2127
शनि	15/04/2070	बुध	28/04/2087	केतु	09/01/2104	शुक्र	14/03/2119	सूर्य	15/12/2128
बुध	21/07/2072	केतु	06/06/2088	शुक्र	09/11/2106	सूर्य	20/07/2119	चंद्र	16/08/2130
केतु	27/06/2073	शुक्र	06/08/2091	सूर्य	16/09/2107	चंद्र	18/02/2120	मंगल	16/10/2131
शुक्र	26/02/2076	सूर्य	18/07/2092	चंद्र	14/02/2109	मंगल	16/07/2120	राहु	16/10/2134
सूर्य	14/12/2076	चंद्र	17/02/2094	मंगल	11/02/2110	राहु	04/08/2121	गुरु	16/06/2137
चंद्र	15/04/2078	मंगल	28/03/2095	राहु	31/08/2112	गुरु	11/07/2122	शनि	16/08/2140
मंगल	22/03/2079	राहु	01/02/2098	गुरु	07/12/2114	शनि	19/08/2123	बुध	16/06/2143
राहु	15/08/2081	गुरु	16/08/2100	शनि	16/08/2117	बुध	16/08/2124	केतु	12/01/2144

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।